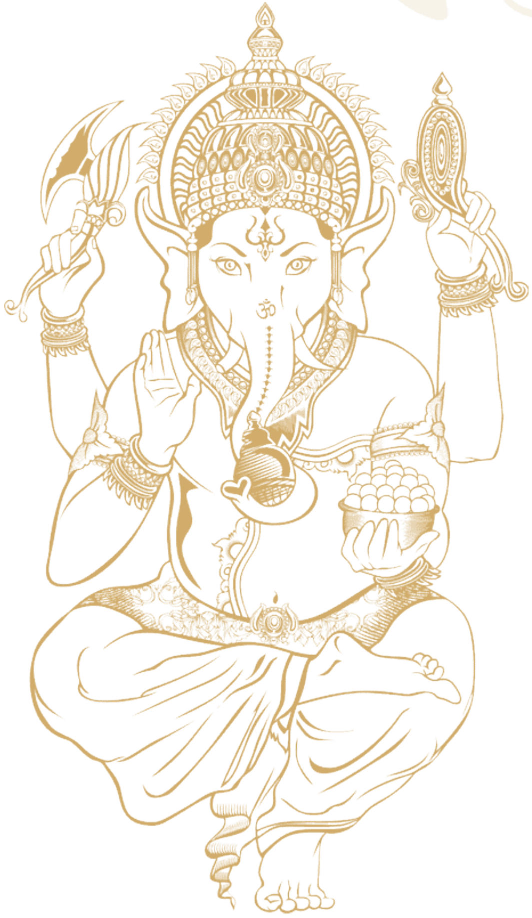

# Muskan

02 Feb 2002

09:00 PM

Narayangarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121840002

| | |
|---|---|
| लिंग | स्त्रीलिंग |
| **जन्म तिथि** | **02/02/2002** |
| दिन | शनिवार |
| **जन्म समय** | **21:00:00 घंटे** |
| इष्ट | 34:28:51 घटी |
| **स्थान** | **Narayangarh** |
| राज्य | Haryana |
| देश | India |

| | |
|---|---|
| अक्षांश | 30:28:00 उत्तर |
| रेखांश | 77:07:00 पूर्व |
| मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| स्थानिक संस्कार | -00:21:32 घंटे |
| ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| स्थानिक समय | 20:38:28 घंटे |
| वेलान्तर | -00:13:43 घंटे |
| साम्पातिक काल | 05:29:05 घंटे |
| सूर्योदय | 07:12:27 घंटे |
| सूर्यास्त | 17:58:20 घंटे |
| दिनमान | 10:45:53 घंटे |
| सूर्य स्थिति(अयन) | उत्तरायण |
| सूर्य स्थिति(गोल) | दक्षिण |
| ऋतु | शिशिर |
| सूर्य के अंश | 19:43:40 मकर |
| लग्न के अंश | 29:24:14 सिंह |

## अवकहड़ा चक्र

| | |
|---|---|
| लग्न-लग्नाधिपति | सिंह - सूर्य |
| **राशि-स्वामी** | **कन्या - बुध** |
| **नक्षत्र-चरण** | **चित्रा - 1** |
| नक्षत्र स्वामी | मंगल |
| योग | धृति |
| करण | गर |
| गण | राक्षस |
| योनि | व्याघ्र |
| नाड़ी | मध्य |
| वर्ण | वैश्य |
| वश्य | मानव |
| वर्ग | मूषक |
| युँजा | मध्य |
| हंसक | भूमि |
| जन्म नामाक्षर | पे-पैनी |
| पाया(राशि-नक्षत्र) | रजत - रजत |
| सूर्य राशि(पाश्चात्य) | कुम्भ |

# ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह | व | अ | राशि | अंश | गति | नक्षत्र | पद | नं. | रा | न | अं. | स्थिति |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| लग्न | | | सिंह | 29:24:14 | 313:10:43 | उ०फाल्गुनी | 1 | 12 | सूर्य | सूर्य | राहु | --- |
| सूर्य | | | मक | 19:43:40 | 01:00:52 | श्रवण | 3 | 22 | शनि | चंद्र | केतु | शत्रु राशि |
| चंद्र | | | कन्या | 24:48:53 | 14:21:56 | चित्रा | 1 | 14 | बुध | मंगल | राहु | मित्र राशि |
| मंगल | | | मीन | 16:47:10 | 00:43:23 | रेवती | 1 | 27 | गुरु | बुध | बुध | मित्र राशि |
| बुध | व | | मक | 07:13:45 | 00:49:46 | उत्तराषाढ़ा | 4 | 21 | शनि | सूर्य | केतु | सम राशि |
| गुरु | व | | मिथु | 12:55:38 | 00:05:08 | आर्द्रा | 2 | 6 | बुध | राहु | बुध | शत्रु राशि |
| शुक्र | | अ | मक | 24:19:12 | 01:15:17 | धनिष्ठा | 1 | 23 | शनि | मंगल | राहु | मित्र राशि |
| शनि | व | | वृष | 14:10:38 | 00:00:37 | रोहिणी | 2 | 4 | शुक्र | चंद्र | गुरु | मित्र राशि |
| राहु | व | | मिथु | 02:08:04 | 00:04:01 | मृगशिरा | 3 | 5 | बुध | मंगल | केतु | उच्च राशि |
| केतु | व | | धनु | 02:08:04 | 00:04:01 | मूल | 1 | 19 | गुरु | केतु | शुक्र | उच्च राशि |
| हर्ष | | | कुंभ | 00:17:58 | 00:03:26 | धनिष्ठा | 3 | 23 | शनि | मंगल | बुध | --- |
| नेप | | | मक | 14:46:18 | 00:02:16 | श्रवण | 2 | 22 | शनि | चंद्र | गुरु | --- |
| प्लूटो | | | वृश्चि | 23:09:44 | 00:01:29 | ज्येष्ठा | 2 | 18 | मंगल | बुध | चंद्र | --- |
| दशम भाव | | | वृष | 29:00:56 | -- | मृगशिरा | -- | 5 | शुक्र | मंगल | शनि | -- |

व - वक्री  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:55

## लग्न-चलित

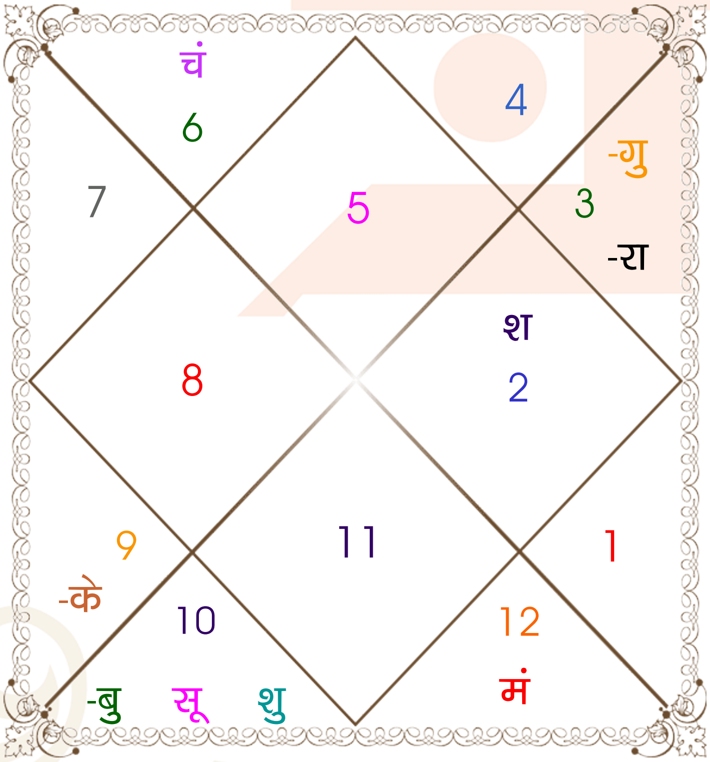


## चन्द्र कुंडली

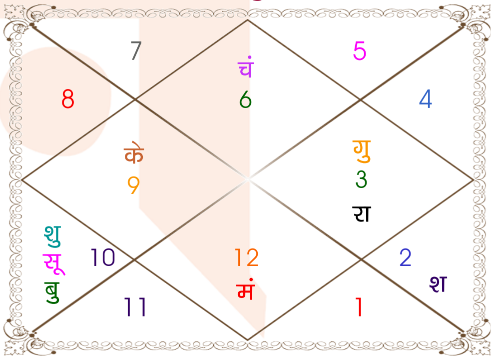


## नवमांश कुंडली

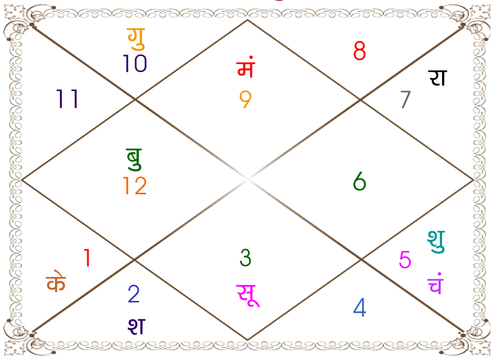

# विंशोत्तरी दशा

## भोग्य दशा काल : मंगल 6 वर्ष 2 मास 20 दिन

| मंगल 7 वर्ष | राहु 18 वर्ष | गुरु 16 वर्ष | शनि 19 वर्ष | बुध 17 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **02/02/2002** | **24/04/2008** | **25/04/2026** | **25/04/2042** | **24/04/2061** |
| **24/04/2008** | **25/04/2026** | **25/04/2042** | **24/04/2061** | **25/04/2078** |
| 02/02/2002 | राहु 05/01/2011 | गुरु 12/06/2028 | शनि 27/04/2045 | बुध 21/09/2063 |
| राहु 09/10/2002 | गुरु 31/05/2013 | शनि 24/12/2030 | बुध 05/01/2048 | केतु 17/09/2064 |
| गुरु 15/09/2003 | शनि 06/04/2016 | बुध 31/03/2033 | केतु 13/02/2049 | शुक्र 19/07/2067 |
| शनि 24/10/2004 | बुध 24/10/2018 | केतु 07/03/2034 | शुक्र 15/04/2052 | सूर्य 24/05/2068 |
| बुध 21/10/2005 | केतु 12/11/2019 | शुक्र 05/11/2036 | सूर्य 28/03/2053 | चंद्र 24/10/2069 |
| केतु 19/03/2006 | शुक्र 11/11/2022 | सूर्य 24/08/2037 | चंद्र 27/10/2054 | मंगल 21/10/2070 |
| शुक्र 19/05/2007 | सूर्य 06/10/2023 | चंद्र 24/12/2038 | मंगल 06/12/2055 | राहु 10/05/2073 |
| सूर्य 24/09/2007 | चंद्र 06/04/2025 | मंगल 30/11/2039 | राहु 12/10/2058 | गुरु 15/08/2075 |
| चंद्र 24/04/2008 | मंगल 25/04/2026 | राहु 25/04/2042 | गुरु 24/04/2061 | शनि 25/04/2078 |

| केतु 7 वर्ष | शुक्र 20 वर्ष | सूर्य 6 वर्ष | चंद्र 10 वर्ष | मंगल 7 वर्ष |
|---|---|---|---|---|
| **25/04/2078** | **24/04/2085** | **25/04/2105** | **26/04/2111** | **25/04/2121** |
| **24/04/2085** | **25/04/2105** | **26/04/2111** | **25/04/2121** | **00/00/0000** |
| केतु 21/09/2078 | शुक्र 24/08/2088 | सूर्य 13/08/2105 | चंद्र 24/02/2112 | मंगल 21/09/2121 |
| शुक्र 21/11/2079 | सूर्य 24/08/2089 | चंद्र 12/02/2106 | मंगल 24/09/2112 | राहु 03/02/2122 |
| सूर्य 28/03/2080 | चंद्र 25/04/2091 | मंगल 19/06/2106 | राहु 26/03/2114 | 00/00/0000 |
| चंद्र 27/10/2080 | मंगल 24/06/2092 | राहु 14/05/2107 | गुरु 26/07/2115 | 00/00/0000 |
| मंगल 25/03/2081 | राहु 25/06/2095 | गुरु 01/03/2108 | शनि 23/02/2117 | 00/00/0000 |
| राहु 12/04/2082 | गुरु 23/02/2098 | शनि 11/02/2109 | बुध 26/07/2118 | 00/00/0000 |
| गुरु 19/03/2083 | शनि 25/04/2101 | बुध 19/12/2109 | केतु 24/02/2119 | 00/00/0000 |
| शनि 27/04/2084 | बुध 24/02/2104 | केतु 26/04/2110 | शुक्र 25/10/2120 | 00/00/0000 |
| बुध 24/04/2085 | केतु 25/04/2105 | शुक्र 26/04/2111 | सूर्य 25/04/2121 | 00/00/0000 |

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 6 वर्ष 2 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

# लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगी। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगी। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। पुरुष सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगा। आप अपने पति को प्यार नहीं करेंगी। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगी।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगी।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगी। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकती हैं। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगी। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाती हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहती हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगी। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपनी प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकती हैं।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगी परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय की ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेती हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगी। आप सदैव ही

जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगी। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगी। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, ंमंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।